सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
सत्यमेव जयते
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 431
07/06/2017

# ''आपदा में पशुओं का बचाव एवं प्रबंधन'' विषय पर SDRF का प्रशिक्षण

**पटना, 07 जून 2017 :–** बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्तसूचनानुसार बाढ़ सुरक्षा सप्ताह, 2017 के अंतर्गत दिनांक–05 जून, 2017 (सोमवार) को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) के पदाधिकारियों एवं जवानों के लिए ''आपदा के दौरान जानवरों के बचाव एवं प्रबंधन'' विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बिहार वेटेरिनरी–कॉलेज, पटना परिसर में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, वर्ल्ड एनीमल प्रोटेक्शन (WAP) तथा बिहार वेटेरिनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री, श्री अवधेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर अपने उद्घाटन भाषण में पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री, श्री अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि हम अपने जीवन में कभी न कभी पशुओं की सेवा लेते हैं। अतः आपदा के समय में उनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में गाय को माँ का दर्जा दिया गया है।

इस अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी ने कहा कि SDRF को लोगों के साथ–साथ पशुओं का भी बचाव करना होता है। उन्होंने कहा कि बचाव के साथ–साथ SDRF को समुदाय को भी प्रशिक्षित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से SDRF जो सीखेगा उसका उपयोग पूरे देश में होगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के पूर्व सदस्य, श्री के0एम0 सिंह ने प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रशिक्षण से किसी कार्य को करने का पूरा तरीका ही बदल जाता है। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन में अभी तक पशुधन के बचाव एवं प्रबंधन को अनदेखा किया जाता रहा है, यहाँ तक कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 में भी आपदाओं के बचाव एवं प्रबंधन के विषय में कोई चर्चा नहीं है।

आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञ एवं आयुष के महानिदेशक डॉ0 सतेन्द्र ने कहा कि जानवरों में कुछ विशेष गुण जाये जाते हैं और कई बार उनके व्यवहार से आने वाली आपदाओं की पूर्व सूचना मिल जाती है।

SDRF के Commandant श्री विनोद कुमार ने SDRF के जवानों से अपील किया कि वे इस प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता से लें और तन्मयता से सीखें।

बिहार वेटेरिनरी कॉलेज के डीन डॉ0 सामन्तरे ने कहा कि आपदाओं में पशुधन का बहुत नुकसान होता है और ऐसी परिस्थिति में लोग अपने पशु को छोड़ कर नहीं जाते।

बिहार वेटेरिनरी कॉलेज के डॉ0 पंकज कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्राधिकरण के वरीय सलाहकार श्री अनुज तिवारी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन वर्ल्ड एनीमल प्रोटेक्शन के श्री हानसेन थाम्बी प्रेम ने किया। इस अवसर पर बिहार वेटेरिनरी कॉलेज के अनेक अध्यापक एवं छात्र तथा प्राधिकरण के वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

******